



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 61

मई विलो, बृहस्पतिवार, मार्च 8, 1990/फाल्गुन 17, 1911

No. 6] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 8, 1990/PHALGUNA 17 1911

इस भाग से भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे यह अलग संकलन के रूप से  
रखा जा सके

**Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation**

रघू बैंक आफ इंडिया

(कार्मिक विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मार्च, 1990

संख्या 5009.—बैंकरी कंपनी (उपकरणों का वर्जन और अंतरण अधिनियम—1980 (1980 का 40) की धारा-19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए रघू बैंक आफ इंडिया के निवेशक मंडल, भारतीय वित्त विभाग में परामर्श करके और केन्द्र सरकार का पूर्ववर्तीकृति से एन्ड्रायारा न्यू बैंक आफ इंडिया अधिकारी कर्मचारी विनियम-1984 में निम्नलिखित और संशोधन करता है।

(i) संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ:—यह विनियम न्यू बैंक आफ इंडिया (अधिकारी) द्वारा संशोधन विनियम 1990 कहे जाएगे।

(ii) यह सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होगा।

3. न्यू बैंक आफ इंडिया (अधिकारी) सेवा विनियम 1982 में निम्नलिखित संशोधन किये जाएँ।

(क) विनियम 3 में नंशोधन

उप विनियम 3 (के) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएँ:

“3 (के) “वे तिन” से गतिरोध वैनियम द्वारा प्रतिस्थापित हैं। उप विनियम 3 (एल) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएँ:—

“3 (एल) “वेतन” से मूल वेतन और महंगाई भत्ता का बोर्ड अधिकार वेतन है।”

(ख) विनियम 4 में संशोधन

उप विनियम 4 (1) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएँ:—

“4(1).1-2-1984 को और इस तारीख से प्रकारितों के निम्नलिखित 4 प्रेड लाई और दूसरे प्रेड के शामों प्रतिरिहट वेतनमान होते हैं।”

(क) जीवर्ष स्थ नायंपालक: प्रेड :

वेतनमान VII रु. 4100-125-4600

वेतनमान VI रु. 3850-125-4350

(ख) वेतनमान V रु. 3375-110-3685-115-3800

वेतनमान IV रु. 2925-105-3450

(ग) मध्यम प्रबंध प्रेड:

वेतनमान III रु. 2650-100-3250

वेतनमान II रु. 1825-100-2925

(घ) निमिट प्रबंध ग्रेड :

वेतनमान I रु. 1175-160-1475-70-1895-ई रु. 195-  
2275-100-2675

1-11-1987 को और इस तारीख से प्रत्येक ग्रेड के सामने विनियिट निम्नलिखित वेतनमान होंगे :—

(क) शीघ्रस्थ कार्यपालक ग्रेड :

वेतनमान VII रु. 6400-150-7000

वेतनमान VI रु. 5950-150-6550

(ख) उपेठ प्रबंध ग्रेड :

वेतनमान V रु. 5350-150-5950

वेतनमान IV रु. 4520-130-4910-140-5050-  
150-5350

(ग) मध्य प्रबंध ग्रेड :

वेतनमान III रु. 4020-120-4260-130-4910

वेतनमान II रु. 3060-120-4260-130-4390

(घ) कनिट प्रबंध ग्रेड :

वेतनमान रु. 2100-120-4020

वश्वेत सरकार के विनियम-8 के तहत किए गए मार्गदर्शी निर्देशों के प्रत्युमार उच्चत वेतन में फिट विषय गण प्रत्येक अधिकारी को, जो नियत नियम को लाए वेतनमान डायर शासित हो, सरकार के मार्गदर्शी निर्देशों के प्रत्युमार उपर्युक्त निर्धारित वेतनमान में फिट किया जाएगा।

(ग) विनियम-5 में मंशोधन

उक्त विनियम-5 को निम्नलिखित ढारा प्रतिस्थापित किया जाए।  
“5(1) 1-11-87 को और इस तारीख से निम्नलिखित उपवर्णों के अधीन वेतनवृद्धियां प्रदान की जाएंगी आहिएः—

(क) विनियम 4(1) में उपर्युक्त विभिन्न वेतनमानों में विनियिट वेतनवृद्धि सक्षम प्राधिकारी को मंजुरी के अधीन रहते हुए विकास आधार पर प्रदान होगी और उस मास की पहली तारीख को प्रदान की जाएगी जिसमें वह देय होती है।

(ख) वेतनमान-I और वेतनमान-II के अधिकारीगण जो एक वर्ष पश्चात अपने सबंद्ध वेतनमानों में उच्चमान ग्राम पर पहुंच चुके हैं उन्हें नीचे उल्लिखित (सी.) में दिए गए अनुमार अनुग्रह उच्च वेतनमान में गठित वेतनवृद्धि (यों) सहित ग्रन्त वेतनवृद्धियां प्रदान की जाएगी वश्वेत कि उन्होंने उच्चारों द्वारा पार कर लिया हो।

(ग) ऊपर (घ) में उल्लिखित ऐसे अधिकारियों महिने, जो मध्यप्रबंध ग्रेड/वेतनमान II और III में उच्चमान सीमा पर पहुंच चुके हैं और वेतनमान II और III जीर्णी मी नियम हो की अनियम अवस्थायों पर पहुंचने के प्रत्येक 3 वर्ष की पूर्ण सेवा के लिए सत्रिरित वेतनवृद्धियां प्राप्त करें, जो वेतनमान-II की अनियम अवस्था पर पहुंचने वाले प्रत्येक अधिकारी के लिए रु. 130/- की दौरे में वेतनवृद्धियां अधिकतम होगी और वेतनमान III की अनियम अवस्था के अधिकारियों के लिए रु. 140 की दौरा वेतनवृद्धि होगी।”

नोट—अग्रले उच्च वेतनमान में प्रदान ऐसी वेतनवृद्धियां पदवान्ति के बराबर नहीं होती। अधिकारी ऐसी वेतनवृद्धियों प्राप्त करने के पूर्वान् वी अपने वास्तविक वेतनमान।

भार्त II, जीर्णी भी स्थित हो, के विषेशाधिकार परिवर्तनवृद्धि द्वयां पर शास्त्रीय निर्वहन वार्ता रखेगा।

5(2) नियन तारीख को आ उसके पश्चात भारतीय बैंकर संस्थान के प्रमाणित उपसर्वस की परीक्षा के प्रत्येक भाग की उर्जां फरमे किए वेतनमान में एक अनियिट वेतनवृद्धि प्रदान की जाएगी।

#### स्पष्टीकरण —

ऐसे अधिकारी को, जिनमे भारतीय बैंकर संस्थान के प्रमाणित उपसर्वस की परीक्षा के भाग 1 वा भाग 2 की नियत तारीख से पूर्व अधिकारी के हृष में उर्जां किया है, यथास्थित अनियिट वेतनवृद्धि या वेतनवृद्धियों नियन तारीख से दी जाएगी परन्तु यह तब जबकि उसने कोई वेतनवृद्धि प्राप्त न की हो या उर्जां परीक्षा के दौरां भागों को उर्जां करने के लिए केवल एक वेतनवृद्धि प्राप्त की हो।

2. 1-11-87 को और इस तारीख से ऐसे अधिकारी जो वेतनमान की उच्चतम सीमा पर पहुंच चुके हैं वेतनवृद्धि पहुंचने वाले हैं और सरकारी मार्गदर्शी निर्देशों को लेकर हुए अदि कोई हॉर्ड पदोन्नति के माध्यम से छोड़कर आगे उपर्युक्त प्राप्त करने में असमर्थ है, तो वी आई आई वी परीक्षा उर्जां करने को छान में रखते हुए, अनियिट वेतनवृद्धियों के प्रति अवसाधिक योग्यता भना प्रदान किया जाएगा।

जिसांति केवल वी आई आई वी भाग-I पास किया हो :—

(i) एक वर्ष पश्चात 100 रुपये प्रतिमाह जिसमें से रु. 75 अधिकारियों द्वारा के लिए रखे जाएंगे।

पिछोंत सी ए आई आई वी के दौरां भाग पास किए होंगे।

(i) एक वर्ष पश्चात रु. 100 प्रतिमाह जिसमें से रु. 75 आधिकारियों लाभों के लिए रखे जाएंगे।

(ii) दो वर्ष पश्चात रु. 250 प्रतिमाह जिसमें से 200 रु. अधिकारियों लाभों के लिए रखे जाएंगे।

नोट यदि कोई ऐसा अधिकारी जो डाकवासाधिक योग्यता भना प्राप्त कर रहा है और अपने उच्च वेतनमान में पदोन्नत होता है तो ऐसे उच्च वेतनमान में फिटमेट होने पर, वेतनमान में उत्तम वेतनवृद्धियों तक और अदि वेतनमान में कोई वेतनवृद्धि उपलब्ध न हो अथवा वेतनमान में केवल एक वेतनवृद्धि उपलब्ध हो सी ए आई आई वी परीक्षा उर्जां करने हेतु अनियिट वेतनवृद्धियों प्रदान की जाएगी अधिकरा वेतनवृद्धियों के प्रति अवसाधिक योग्यता भने के लिए पास होगा।

(घ) विनियम 21 में मंशोधन

विनियम 21 की निम्नलिखित वार्ता प्रतिस्थापित किया जाएः—

1-1-1987 को और उस तारीख से महंगाई भने की घोषना निम्न प्रकार है :—

(1) महंगाई भना अधिक भारतीय ओमस कम्पनी वर्ष अभीवना मध्य सूचकांक समान्य आधार वर्ष 1960 = 100 के निमाई ओमस के 600 अंकों के ऊपर प्रत्येक अंक के बढ़ने और घिरने पर 4 अंकों के लिए देय होता।

(i) महंगाई भना निम्नान्मार्द दरों पर देय होगा;

- (i) बेतन का 0.67 प्रतिशत 1650 रु रुपये  
(ii) बेतन का 0.55% 1655 रु से अधिक से लेकर 4,2835 रुक  
(iii) बेतन का 0.38 प्रतिशत 2835 रु. से अधिक से लेकर 4020 रु रुपये  
(iv) बेतन का 0.17 प्रतिशत 4020 रु से अधिक

(अ) विनियम 22 में संशोधन

"विनियम 22 के उपनियम (1), (2), (3) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः-

1-1-1987 को और इन तारीख से यदि किसी अधिकारी को बैक द्वारा रियायती आवास मोहरा किया जाता है तो उसके बेतनमान के जिसमें उसे फिट किया जाता है, प्रथम चरण के बेतन का 6 प्रतिशत अथवा आवास के मानक कियाया, जो भी कम हो उससे बहुत किया जाएगा।"

विनियम 22(2) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः—

"1-11-87 को और इस तारीख से यदि किसी अधिकारी को बैक द्वारा रियायती आवास मोहरा नहीं किया जाता तो वह निम्नलिखित दरों पर भत्तान किराया भत्ता पाने का पात्र होगा।—

अहं कार्य स्थल इसमें से कही हो वेद मकान कियाया भत्ता

- (1) भरकार के मार्जिदारी निर्देशों बेतन का 14 प्रतिशत परन्तु के अनुमार समय समय पर अधिक से अधिक रु. 375 या विनियम "क" श्रेणी के शहर और समूह "क" के परियोजना शेत्र के केन्द्र  
(ii) धेत्र के अन्य स्थल और 'ख' बेतन का 12% परन्तु अधिक से के परियोजना धेत्र के केन्द्र अधिक रु 300  
(iii) (i) और (ii) में न दिए गए बेतन का 10 प्रतिशत परन्तु धेत्र II और राज्य राजधानीयों एवं अधिक से अधिक रु 50 लघ राज्य धेत्रों की राजधानीया  
(iv) धेत्र III बेतन का 8 प्रतिशत परन्तु अधिक से अधिक रु 225

बाणी के यदि कोई अधिकारी कियाये की रण्डां प्रत्युत करता है तो उसके द्वारा रियायती आवास के लिए अदा किये गए वार्तविक कियाए के बाबत जिस बेतनमान में वह कार्यरत है, उस बेतनमान को पहली अवस्था में 6 प्रतिशत से अधिक अन्यथा देय अधिकतम मकान कियाया भत्ता का 160 प्रतिशत अधिकतम, मकान कियाया भत्ता देय होगा।

विनियम-22(3) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः—

जहां कोई अधिकारी आगे चय के निवास रथान में निवास करता है वह उसी आधार पर मकान कियाया भत्ता का पाल होगा जो उपविनियम (2) में उपवर्णित है। मानो वह नीचे दिए गए "क" या "ख" में से उच्चतम के 12 वें सारंग के बाबत राशि का मानिक किया जाने के रूप में संदेय कर रहा होः—

(क)

निम्नलिखित का योग

- (i) निवास स्थानों की आबत संदेय नागरपालिका कर और  
(ii) निवास स्थान की पूँजी सांगत का 12 प्रतिशत जिसके अन्तर्भूत भूमि की लागत भी है और यदि

निवास स्थान किसी भवन का भाग है तो उस सूचि को उजो लागत का व्यापक नियम हिस्सा जो 12% निवास भवन का भाग जो समता है, किन्तु इसके अन्तर्भूत विशेष फिल्हर जैसे बेतन गृह नहीं है।

(ख)

निवास स्थान के नागरपालिका रिधारण के लिए लिपा गया वार्तिक कियाया मूल स्पार्टोकरण

(1) इस विनियम के प्रयाप्ति के मानक कियाया से निम्ननियम अधिष्ठेत्र है—

(क) ऐसे निवास स्थान को दशा में जो बैक के स्थानिक है, ऐसी प्रक्रिया के अनुमार संगणित मानक कियाया जो भरकार में ऐसी संगणना के लिए प्रबलित है,

(ख) जहां निवास स्थान बैक ने कियाये पर तिरा है वहां बैक द्वारा संदेय संविद्धगत कियाया।

(द) विनियम 23 में गंगोप्रा:

विनियम (23) के उपनियम 23 (1) (5), (6), (7) और (10) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये। 1-11-87 को और इस तारीख से यदि वह नीचे सारणी के कालम-1 में विद्ये गये स्थान पर कार्यरत है उस स्थान के मामने कालम-2 में उल्लिखित दर पर नगर प्रतिकार भत्ता बत्तें कि नगर प्रतिकार भत्ता पत्तों और भारुगांगों के शहरी समूह से अन्यत्र गोया राज्य के स्थानों जहां 1-11-87 को प्रवान नहीं किया था वहां 20-8-88 को प्रभावी नियम देय होगा।

सारणी

स्थान	दरें
धेत्र-1 के स्थान पर और गोया राज्य स्थानों तथा राज्य, राजधानीयों पांच चार्दागढ़, पांडिचेरी और पोर्ट ब्लैयर।	मूल बेता का 6-1/3 प्रतिशत परन्तु अधिकतम रुपये 200/- प्रतिवाह।

उक्त (क) में ना आने वाले 5 लाख मूल बेतन का 4 प्रतिशत परन्तु और उसमें अधिक जनसंख्या वाले स्थानों तथा राज्य, राजधानीयों पांच चार्दागढ़, पांडिचेरी और पोर्ट ब्लैयर।

विनियम 23 (5) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया गया:—

1-11-87 को और इस तारीख से यदि किसी अधिकारी को बैक के बाहर सेवा करने के लिये प्रतिनियुक्त किया जाता है तो वह उस परिलिखियों को प्राप्त करने का विकल्प दे सकता जो उस पद से संलग्न है जिस पर उसे प्रतिनियुक्त किया गया है। बैकल्पिक रूप से, वह अपने बेतन के अतिरिक्त बेतन का 12 प्रतिशत प्रतिनियुक्त भत्ता जो अधिकतम रुपये 700/- होगा और ऐसे अन्य भत्ता प्राप्त कर सकेगा जो वह उस दशा में प्रस्त करता जब उसे उस स्थान पर बैक की सेवा में तैनात किया जाता।

परन्तु यदि उसे संगठन में प्रतिनियुक्त किया जाना है जो उस स्थान पर अवस्थित जहां वह अर्थात् प्रतिनियुक्त से ठीक पूँजी संतान या तो वह अपने बेतन के 6 प्रतिशत के बाबत प्रतिनियुक्त भत्ता जो अधिकतम रुपये 350/- होगा, प्राप्त करेगा।

यदि कोई अधिकारी बैंक के किसी शिखण स्थान को सकारा सदस्य के रूप में अवज बैंकिंग सेरा भर्ती बोर्ड के लिये प्रतिनिधित्व किया जाता है तो वह अपने बेतन का 6 प्रतिशत का दर से प्रतिनियुक्त भत्ते जो अधिकारम रूपये 350 होगा, पाने का पात्र है।

विनियम 23 (6) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः—

1-11-87 को और इस तारीख से यदि उसके कम से कम 7 दिन की नियन्त्र अवधि के लिये या किसी कीटौर माह के दौरान कूल संत दिन के लिये किनी उच्चतर ग्रेड में किसी दूर में स्थानापन के रूप में कार्य करते की अपेक्षा की जाती है तो वह अपने बेतन के 6 प्रतिशत के बायार जो अधिकारम रूपये 250/-प्रति माह होगा उस अवधि के बिंदु स्थानापन रूप में कार्य किय है स्था पन भत्ता प्राप्त करेगा। स्थानापन भत्ता भविष्य निधि के प्रयोजनों के लिये बेतन होगा और अन्य प्रयोजनों के लिये मही होगा।

परम्परा यदि कोई अधिकारी मात्र विनियम 6 के अधार पदों के प्रबन्धनिकरण के पुनर्विलोकन के परिणामस्वरूप उच्चतर बेतनमान में स्थानापन के रूप में कार्य करता है तो वह उस तारीख से एक वर्ष को अवधि के लिये स्थानापन भत्ते का पाल नहीं होगा जिस तारीख को प्रबन्धनिकरण का पुनर्विलोकन प्रभावा होता है।

विनियम 23 (7) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा—

1989-90 वित्तीय वर्ष को और इससे आगे यदि अह भत्ता भावा में तेतन है और जहाँ 31 मार्च, और 30 सितम्बर को लेका बंदा की जाती है वह दोनों लेका विविध वर्षों में प्रत्येक के लिये रूपये 150/-लेका बंदी भत्ता विधा जायेगा।

विनियम 23 (10) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा—

1-11-87 को और इस तारीख से यदि अह नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ-1 में उल्लिखित स्थान पर सेवारत है तो उसके स्तम्भ-2 में उस स्थान के सामने उल्लिखित पद पर पवंत और इंधन भत्ता—

सारणी

स्थान दरें

- (1) समुद्र तल से 1000 मीटर बेतन का 5 प्रतिशत जो अधिक से और उस से अधिक ऊंचाई पर अधिक रूपये 130/-प्रतिमाह। किन्तु 1500 मीटर से कम ऊंचाई पर स्थित लेका तथा वर्कानी करने।
- (2) समुद्र तल से 1500 मीटर बेतन का 6 1/2 प्रतिशत जो और इससे अधिक किन्तु अधिक से अधिक रूपये 160/- 300 मीटर से कम ऊंचाई पर स्थित कायलिय
- (3) समुद्र तल से 3000 मीटर बेतन का 15 प्रतिशत जो अधिक और इससे अधिक ऊंचाई से अधिक रूपये 600/-प्रतिमाह।

नोट :—(क) ऐसे अधिकारियों को जो कि 750 मीटर से अधिक ऊंचाई पर ऐसे कायलिय पर तेतन है जो कि अधिक ऊंचाई लाले पर्वतों से भिन्न है और जहाँ 1000 मीटर अवधा इससे अधिक ऊंचाई पर पार किये जिन नहीं पहुंचा जा सकता उसी दर पर पवंत और इंधन भत्ता का मुगलाल किया जायेगा जिस दर पर यह 1000 मीटर तथा ऊंचाई लाले केवलों के लिए है।

(ख) उक्त श्रेणी से हवार जिसी भी केवल पर बर्जपत में दिया जा रहा पवंत एवं इंधन भत्ता समाप्त कर दिया गया है। 1-11-87 से 30-4-89 के बीच पहले से अदा कर दिये गये भत्ते को कम्पो नहीं की जायेगा। 1 मई, 1989 से और 1-1 से आगे मात्र पुराने प्रावधार वालों के अल्पतम 30 अप्रैल को स्थिती अनुसार अदा किय गये भत्ते की राशि उन अधिकारियों के मामले में संरक्षित की जायेगी जो उस निधि को अदा उस में पूर्व, उन्हें बेतनमान में उत लेकर पर नैतित रहेथे।

विनियम 24 में संशोधन :

विनियम 34 के उपर्यन्तिम 1 (क), 1 (य) (1) और 1 (अ) (5) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(1) प्रत्येक अधिकारी अपनी और अपने कुटुम्ब कीष बाबत अपने द्वारा वासत्व में उपात चिकित्सीय व्यय को निम्नलिखित आधार पर प्रतिसूति के लिये पाल होगा अर्थात्—

(क) चिकित्सीय व्यय:

1-11-87 से और इस तारीख से नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ-1 में विनियिष्ट बेतन पराम में किसी अधिकारी और उसके कुटुम्ब के चिकित्सीय व्यय को प्रतिसूति स्वर्ग अधिकारों के हाथ प्राप्तान के आधार पर कि उसे ऐसा व्यय उपात किया है, जिसके समर्थन स्वरूप काकाङ्हा रकमों के लिए लेका विवरण दिया जायेगा, सारणी के स्तंभ-2 में विनियिष्ट संतान तक की जा सकता है।

सारणी

बेतन	दायित्व प्रतिसूति को सीमा
रु. 2100/-से रु. 3060/-प्रतिमाह	रु. 600/-
रु. 3061/-प्रतिमाह और इससे ऊपर	रु. 800/-

नोट :—किसी अधिकारी को ऐसी चिकित्सीय सहाया का, जिसका लाभ नहीं उठाया गया है, किसी समय ऊपर उपर्यन्तिम अधिकार तम रकम से अधिक से अधिक तीन गुने तक संवित किया जाना अनुशासन किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण

इस विनियम के प्रयोजन के लिए किसी अधिकारी का "कुटुम्ब" के पूर्व पति/पत्नी, पूर्णांगा अधिकार संतान और पूर्णांगा अधिकार मातान्पिता से मिलकर बनेगा।

(ख) (1) अस्पताल में भर्ती व्यय

(1) 1-4-89 को और इस तारीख से अस्पताल मेंसर्वी प्रभारों को किसी अधिकारी का दशा में 90 प्रतिशत तक और उसके कुटुम्ब के सदस्यों को दशा में 60 प्रतिशत तक उन मामलों में प्रतिसूति की जायेगी जिनमें अस्पताल में भर्ती किया जाना अनेकांत है।

(2) 1-4-89 को और इस तारीख से वृद्ध मात्रा प्राप्त अस्पताल प्रतिकारियों तथा बैंक का चिकित्सा अधिकारों द्वारा यह प्रमाणित कर दिया जाएगी तिन्हीं विनियिष्ट वासारियों के संबंध में जिनमें हस्पताल में रह कर उपचार करवाये जाने की आवश्यकता है, किए गये खर्च को अस्पतालीकरण व्यय मात्रा जाएगा और अधिकारों के मामले में 90% तक उसके परिवार के सदस्यों के मामले में 60 प्रतिशत सक के खर्च को प्रतिसूति की जायेगी।

कैंसर, टमोरिक, लकड़, बृद्ध-रोग, रसीली, चेवड़, प्लूरिसी, डिप्पिंस्या, कुछ रोग गुदे की बोमारों।

विनियम 25 में संशोधन :—

विनियम 25 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः —

1-11-87 को और इस तारीख से कोई भी अधिकारी के स्वर्ण में बैक द्वारा निवाय स्थान दिया जाने का हासिल नहीं होगा। तथापि बैक अधिकारी द्वारा अपने बेतनभान जिम्में बहु कार्यगत है, को प्रथम अक्षस्था का 6 प्रतिशत या निवाय स्थान का मानक दिया जाने में जो भी कार्य हो, उसका संदर्भ करने पर निवाय स्थान का अक्षस्था कर नकेगा। बताते ही यहाँ ऐसे आवास में बैक द्वारा अधिकारी को फर्नीचर उपकरण कराया जाता है तो उसके बेतनभान को प्रथम अक्षस्था में उपके बेतन के छह प्रतिशत राशि के भास्तुल्य कटौती की जायेगा। परन्तु उपलब्ध यह है कि जहाँ कहीं ऐसा रिहायशी आवास बैक द्वारा उपलब्ध कराया जाता है तो विद्युत, डबल, बैग, तथा सफाई के प्रभार अधिकारी द्वारा बहन किए जाएँगे।

विनियम 34 में संशोधन :

विनियम 34 (1) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः —

1-1-89 को और इस तारीख से प्रत्येक अधिकारी प्रत्येक पूरे वर्ष का सेवा के लिए 30 दिन का बोगरी को छुट्टा का पात्र होगा। किन्तु ऐसे छुट्टों गम्भीर सेवाकाल के दौरान अधिकारी 18 माह तक गम्भीर का जायेगा। गम्भीर सेवाकाल के दौरान ऐसे छुट्टों 540 दिन सके मिलने की जा सकेगा। और बैक को संवादार्थी या बैठक के विवेकनुसार उसके द्वारा अपने खर्च पर नाम-निर्दिष्ट चिकित्सा व्यवसायी द्वारा दिये गये चिकित्सा प्रमाण पत्र को पेश किए जाने पर ही जो आ सकेगी।

विनियम 35 में संशोधन :—

विनियम 35 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः —

1-1-89 को तथा इससे आगे जहाँ अधिकारी ने 24 वर्ष का सेवाकाल पूरा कर लिया होतो वह 24 वर्ष से ऊपर सेवाकाल के प्रत्येक वर्ष के लिए एक महीने का दर से बोगरी का अंतिरिक्ष छुट्टा का पात्र होगा। किन्तु बोगरी का यह अंतिरिक्ष छुट्टी अधिकारी भान माह शक होगी।

विनियम 41 में संशोधन :

विनियम 41 के उप-विनियम 1 (1), (2), (3), (4) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः :

योई द्वारा निर्धारित भित्ति को और इससे आगे; जब कभी किसी अधिकारी से अधिकारी से अधिकारी पर यात्रा करते को प्रवेश को जाती है, तब निम्नलिखित उपलब्ध सामग्री होती है :—

(1) कनिष्ठ प्रबन्ध ग्रेड में अधिकारी प्रथम श्रेणी रेल अधिकारी बातानुकूलित शायिका द्वारा यात्रा कर सकता है। तथापि वह कार्य को आवासिकता अथवा सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए सक्षम प्राधिकारी से अमूल्यता मिलने पर विमान द्वारा (मिल्यां श्रेणी) से यात्रा कर सकेगा।

(2) मध्य प्रबन्ध ग्रेड में अधिकारी प्रथम श्रेणी रेल अधिकारी बातानुकूलित शायिका द्वारा यात्रा कर सकता है। तथापि यदि यात्रा को दूरी 500 किलोमीटर से अधिक होतो वह द्वारा मिल्यां श्रेणी से यात्रा कर सकेगा। तथापि वह छांगी द्वारा के लिए भी विमान (मिल्यां श्रेणी) से यात्रा कर सकेगा, जबते ही कार्य को आवासिकता अथवा सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए सक्षम प्राधिकारी द्वारा ऐसी अनुमति प्रदान की गई हो।

(3) वरिष्ठ प्रबन्ध नथ, गोप्यत्व कार्यपालक ग्रेड में बातानुकूलित प्रथम श्रेणी अधिकारी विमान (मिल्यां श्रेणी) द्वारा यात्रा कर सकेगी।

(4) वरिष्ठ प्रबन्ध ग्रेड अथवा गोप्यत्व कार्यपालक ग्रेड में अधिकारी ऐसे स्थानों पर कार द्वारा यात्रा कर सकेंगे जो विमान अधिकारी द्वारा रेल में जहाँ 30 दिनों के दूरी से अधिक न हो। तथापि दो स्थानों के बीच दूरी के प्रमाण इससे को विमान अधिकारी द्वारा ही यथा किया जायेगा तथा यो प्रत्येक दूरी मामान्यतया कर द्वारा तथा को जायेगी।

विनियम 12 में संशोधन :

विनियम 42 (2) (1) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः —

1-1-87 को और इस तारीख से अन्तरण पर अधिकारी को मालगाड़ी द्वारा अपने समान के परिवहन के लिए व्यवहार के निम्नलिखित सीमाओं तक प्रतिपूर्ति की जायेगी :—

वेतन	यदि उसका कूटु- म्ब है	यदि उसका कूटु- म्ब नहीं है।
र. 2100/- प्रतिमाह से र. 3000 कि. ग्रा.	1000 कि. ग्रा.	3060/- प्रतिमाह तक
र. 3061/- प्रतिमाह और इसमें पूरा योगदान अधिक	2000 कि. ग्रा.	

विनियम 45 में संशोधन :

विनियम 45 (2) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः

बैक समय-ममत्व पर, अविष्य निधि को जायिः करने गले निरामी के अनुमान अधिक निधि में अधिकारी करेगा, परन्तु उसके द्वारा अधिकारी की गई रकम अधिकारी के 1-11-87 से 31-12-88 तक वेतन के 80 प्रतिशत के दम प्रतिशत से अधिक, 1-11-89 से 31-12-89 तक वेतन के 90 प्रतिशत से 10 प्रतिशत से अधिक तथा 1-1-90 से 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

विनियम 46 में संशोधन :

विनियम 46 (2) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएः

46 (2) किसी अधिकारी को संरेख उदान का रकम सेवा के प्रत्येक पूरे वर्ष के लिए एक माह का वेतन किन्तु अधिक में अधिक 15 माह का वेतन होगा।

परन्तु यदि किसी अधिकारी ने 30 वर्ष से अधिक का सेवा पूरा कर सका है, तो वह उपरान के दम से 30 वर्ष आगे सेवा के प्रत्येक पूरे वर्ष के लिए एक मास का दर पर अनिर्णय रकम के लिए पात्र होगा।

नोट :—यदि सेवाकाल के पूर्ण वर्ष से अधिक सेवाकाल का कोई अधिक 6 माह अवधि इससे अधिक है तो उन अवधि के लिए यदा-नुपालिक अधिकारी पर अवधान का भुगतान किया जायेगा।

खुशाल गिर्ह गहावक महाप्रबन्ध (कार्मिक)

NEW BANK OF INDIA

(Personnel Department)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th March, 1990

No. 5009.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer

of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), the Board of Directors of New Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Govt. hereby makes the following regulations further to amend New Bank of India (Officers') Service Regulations, 1982.

2. Short title and commencement : (i) These Regulations may be called New Bank of India (Officers') Service Amendment Regulations, 1990.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. In the New Bank of India (Officers') Service Regulations, 1982, the following amendments shall be made.

#### (a) AMENDMENT TO REGULATION 3

Sub Regulation 3(k) shall be submitted by the following :

"3(k) 'pay' means basic pay including stagnation increment"

Sub Regulation 3(l) shall be substituted by the following :

"3(l) 'salary' means the aggregate of the pay and dearness allowance."

#### (b) AMENDMENT TO REGULATION 4

Sub Regulation 3(1) shall be substituted by the following:

"4(1) On and from 1-2-1984, there shall be the following four grades for officers with the scale of pay specified against each of the grades :

##### (a) Top Executive Grade :

Scale VII Rs. 4100-125-4600

Scale VI Rs. 3850-125-4350

##### (b) Senior Management Grade :

Scale V Rs. 3575-110-3685-115-3800

Scalse IV Rs. 2925-105-3450

##### (c) Middle Management Grade :

Scale III Rs. 2650-100-3250

Scale II Rs. 1825-100-2925

##### (d) Junior Management Grade :

Scale I Rs. 1175-60-1475-70-1895-EB-95-2275-100-2675

On and from 1-11-1987, the scales of pay specified against each grade shall be as under :

##### (a) Top Executive Grade :

Scale VII Rs. 6400-150-7000

Scale VI Rs. 5950-150-6550

##### (b) Senior Management Grade :

Scale V Rs. 5350-150-5950

Scale IV Rs. 4520-130-4910-140-5050-150-5350

##### (c) Middle Management Grade :

Scale III Rs. 4020-120-4260-130-4910

Scale II Rs. 3060-120-4260-130-4390

##### (d) Junior Management Grade :

Scale I Rs. 2100-120-4020

Provided that every officer who is governed by the scale of pay as in force on the appointed date having been fitted into the said scale of pay in accordance with the guidelines of the Government issued under Regulation 8, shall be fitted in the scale of pay set out above in accordance with the guidelines of the Government."

#### (C) AMENDMENT TO REGULATION 5

Regulation 5 shall be substituted by the following:

"5(1) On and from 1-11-1987, the increments shall be granted subject to the following sub-clause :

(a) The increments specified in the scales of pay set out in Regulation 4(1) shall, subject to the sanction of the Competent Authority, accrue on an annual basis and shall be granted on the first day of the month in which these fall due.

(b) Officers in Scale I and Scale II, 1 year after reaching the maximum in their respective scales, shall be granted further increments including stagnation increment(s) in the next higher scale only as specified in (c) below subject to their crossing the efficiency bar.

(c) Officers including those referred to in (b) above who reach the maximum of the Middle Management Grade Scales II and III shall draw stagnation increments(s) for every three completed years of service after reaching the last stage of the Scale II or Scale III as the case may be subject to a maximum of two such increments of Rs. 130 each for officers in the last stage of Scale II and one such increment of Rs. 140 for officers in the last stage of Scale III.

Note : Grant of such increments in the next higher scale shall not amount to promotion. Officers even after receipt of such increments shall continue to get privileges, perquisites, duties, responsibilities or posts of their substantive Scale I or Scale II as the case may be.

"5(2) An additional increment shall be granted in the scale of pay for passing each part of CAIIB Examination on or after the appointed date.

#### EXPLANATIONS

1. In the case of an officer who has passed Part I and/or Part II of CAIIB Examination as an officer prior to the appointed date, the additional increment or increments, as the case may be, shall be given effect to from the appointed date provided that he has not received any increment or received only one increment, for passing both parts of CAIIB Examination.

2. On and from 1-11-1987 officers who reach or have reached the maximum in the pay scale and are unable to move further except by way of promotion shall subject to Government guidelines, if any, be granted Professional Qualification Allowance in lieu of additional increments in consideration of passing CAIIB Examination as under :

Those who have passed : Rs. 100 p.m. after one year, only Part I of CAIIB of which Rs. 75 shall rank for superannuation benefits

Those who have passed : (i) Rs. 100 p.m. after 1 year, of both parts of CAIIB of which Rs. 75 shall rank for superannuation benefits.

(ii) Rs. 250 p.m. after 2 years, of which Rs. 200 shall rank for superannuation benefits

Note : If an officer who is in receipt of Professional Qualification Allowance is promoted to next higher scale, he shall be granted, on fitment into such higher scale, additional increment(s) for passing CAIIB to the extent increments are available in the scale and if no increments are available in the scale or only one increment is available in the scale, the officer shall be eligible for Professional Qualification Allowance in lieu of increment(s).

#### (d) AMENDMENT TO REGULATION 21

Regulation 21 shall be substituted by the following :

"21. On and from 1-11-1987, Dearness Allowance Scheme shall be as under :

(i) Dearness Allowance shall be payable for every rise or fall of 4 points over 600 points in the quarterly average of the All India Average Working Class Consumer Price Index (General) Base 1960=100.

(ii) Dearness Allowance shall be payable as per the following rates :

- (i) 0.67% of 'pay' upto Rs. 1650 plus,
- (ii) 0.55% of 'pay' above Rs. 1650 to 2835 plus,
- (iii) 0.33% of 'pay' above Rs. 2835 to Rs. 4020 plus,
- (iv) 0.17% of 'pay' above Rs. 4020.

#### (e) AMENDMENT TO REGULATION 22

Sub Regulation (1), (2) & (3) of Regulation 22 shall be substituted by the following :

"(1) On and from 1-11-1987, where an officer is provided with residential accommodation by the bank, 6% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed or the standard rent for the accommodation, whichever is less, will be recovered from him."

"(2) On and from 1-11-1987, where an officer is not provided any residential accommodation by the bank, he shall be eligible for House Rent Allowance at the following rates :

Where the place of work is in	HRA payable shall be
(i) Major 'A' Class Cities specified	14% of the pay subject as such from time to time in to a maximum of accordance with the guidelines Rs. 375.
of the Govt & Project Area Centres in Group 'A'	
(ii) Other places in Area I and Project Area Centres in Group 'B'.	12% of the pay subject to a maximum of Rs. 300.
(iii) Area II and State capitals and capitals of Union Territories not covered by (i) & (ii) above	10% of the pay subject to a maximum of Rs. 250.
(iv) Area III	8% of the pay subject to a maximum of Rs. 225.

Provided that if an officer produces a rent receipt, the House Rent Allowance payable to him shall be the actual rent paid by him for his residential accommodation in excess over 6% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed, with a maximum of 16% of the maximum House Rent Allowance payable otherwise."

"(3) Where an officer resides in his own accommodation he shall be eligible for a House Rent Allowance on the same basis as mentioned in proviso to sub-regulation (2) as if he were paying by way of monthly rent a sum equal to one twelfth of the higher of A or B below :

#### A

The aggregate of :

- (i) Municipal taxes payable in respect of the accommodation; and
- (ii) 12% of the capital cost of the accommodation including the cost of the land and if the accommodation is part of a building, the proportionate share of the capital cost of the land attributable to that accommodation, excluding the cost of special fixtures, like air conditions or

#### B

The annual rental value taken for municipal assessment of the accommodation.

#### Explanation :—

(1) For the purpose of this Regulation "standard rent" means :

- (a) In the case of any accommodation owned by the Bank, the standard rent calculated in accordance with the procedure for such calculation in vogue in the Government;
- (b) Where accommodation has been hired by the Bank, contractual rent payable by the Bank."

#### (f) AMENDMENT TO REGULATION 23 :

Sub Regulations (i), (v), (vi), (vii) & (x) of Regulation 23 shall be substituted by the following :—

"(i) On and from 1-11-1987, if he is serving in a place mentioned in column 1 of the Table below, a City Compensatory Allowance at the rate mentioned in column 2 thereon against that place, provided that the city compensatory allowance at places in the State of Goa other than urban agglomeration of Panaji and Marmugao, where it was not payable on 1-11-1987 shall be payable with effect from 20-8-1988.

Places	Rates
1	2
(a) Places in Area I and in the State of Goa	6-1/2% of basic pay subject to a maximum of Rs. 220/- per month
(b) Places with population of 5 lakhs and over and State Capitals and Chandigarh, Pondicherry and Port Blair not covered by (a) above	4% of basic pay subject to a maximum s. 135/- per mont'

"(v) On and from 1-11-1987, if an officer is deputed to serve outside the bank, he may opt to receive the emoluments attached to the post to which he is deputed. Alternatively, he may in addition to his pay, draw a deputation allowance of 12 per cent of pay maximum Rs. 700 and such other allowance as he would have drawn had he been posted in the bank's service at that place.

Provided that where he is deputed to an organisation which is located at the same place where he was posted immediately prior to his deputation he shall receive a deputation allowance equal to 6 per cent of his pay maximum Rs. 350.

Provided further that an officer on deputation to the Training Establishment of the bank as a faculty member or to Banking Service Recruitment Board shall be eligible for deputation allowance at 6 per cent of his pay maximum Rs. 350.

"(vi) On and from 1-11-1987 if he is required to officiate in a post in a higher scale for continuous period of not less than 7 days at a time or an aggregate of 7 days during a calendar month, he shall receive an officiating allowance equal to 6 per cent of his pay, subject to a maximum of Rs. 250 per month for the period for which he officiates. Officiating Allowance will rank as pay for purposes of Provident Fund and not for other purposes.

Provided that where an officer comes to officiate in a higher scale, as a consequence solely of the review of the categorisation of posts under Regulation 6, he shall not be

eligible for the Officiating Allowance for a period of one year from the date on which the review of the categorisation takes effect.

"(vii) On and from financial year 1989-90 if he is posted at a branch where books are closed on 31st March and 30th September a closing allowance of Rs. 150 for each of the two closings."

"(x) On and from 1-11-1987, if he is serving in a place mentioned in column 1 of the table below, a hill and fuel allowance at the rate mentioned in column 2 thereof :—

Place	Rate
1	2
(i) Place with an altitude of 1000 metres and above but less than 1500 metres and Mercara Town	5% of pay subject to a maximum of Rs. 130/-
(ii) Place with an altitude of 1500 metres and above but less than 3000 metres	6 1/2% of pay subject to a maximum of Rs. 160/-
(iii) Place with an altitude of 3000 metres and above	15% of pay subject to a maximum of Rs. 600/-

Note.—(a) Officers posted at places with an altitude of not less than 750 metres and which are surrounded by hills with higher altitude which cannot be reached without crossing an altitude of 1000 metres or more, will be paid hill and fuel allowance at the same rate as is payable at centre with an altitude of 1000 metres and above.

(b) Hill and fuel Allowance presently paid at any centre not covered by the above classification shall stand withdrawn. The allowance already paid between 1-11-1987 and 30-4-1989 shall not be recovered. From 1st May, 1989, onwards the quantum of allowance paid as on 30th April under the old provisions alone shall be protected in the case of officers posted at that centre on or before that date till the time they remain posted at that centre in the same scale of pay."

#### (g) AMENDMENT TO REGULATION 24 :

Sub Regulations 1(a) 1(b) (i) & 1(b) (v) of Regulation 24 shall be substituted by the following :—

"(1) An officer shall be eligible for reimbursement of medical expenses actually incurred by him in respect of himself and his family on the following basis namely :—

(a) Medical Expenses.—On and from 1-11-1987, reimbursement of medical expenses of an officer in the pay range specified in column 1 of the Table below and his family may be made on the strength of the officer's own certificate of having incurred such expenditure supported by a statement of accounts for the amounts claimed subject to the limit specified in column 2 thereof :—

Pay Range	Reimbursement limit p.a.
1	2
Rs. 2100 to Rs. 3060 p.m.	Rs. 600
Rs. 3061 p.m. and above	Rs. 800

Note.—An officer may be allowed to accumulate unavailed medical aid so as not to exceed at any time three times the maximum amount provided above.

#### EXPLANATION :

"Family of an officer for the purpose of this regulation shall consist of spouse, wholly dependent children and wholly dependent parents only."

#### (b) Hospitalisation Expenses :

(i) On and from 1-4-1989, hospitalisation charges shall be reimbursed to the extent of 90% in the case of an officer and 60% in the case of his family members in respect of all cases which require hospitalisation.

(v) On and from 1-4-1989, medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 90% in the case of an officer and 60% in the case of his family members : Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailment, Tumour, Small Pox, Pleurosy, Diphtheria, Leprosy, Kidney Ailment."

#### (h) AMENDMENT TO REGULATION 25

Regulation 25 shall be substituted by the following :

"(25) On and from 1-11-1987, no officer shall be entitled as of right to be provided with residential accommodation by the bank. It shall, however, be open to the Bank to provide residential accommodation on payment by the officer of 6% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed or the standard rent for the accommodation whichever is less. Provided that a further sum equal to 1-1/2% of pay in the first stage of the scale of pay will be recovered by the Bank from an officer if furniture is provided at such residence. Provided further that where such residential accommodation is provided by the Bank, the charges for electricity, water, gas and conservancy shall be borne by the officer."

#### (i) AMENDMENT TO REGULATION 34

Sub Regulation (1) of Regulation 34 shall be substituted by the following :

"34(1) On and from 1-4-1989, an officer shall be eligible for 30 days of sick leave for each completed year of service subject to a maximum of 18 months during the entire service. Such leave can be accumulated upto 540 days during the entire service and may be availed of only on production of medical certificate by a medical practitioner acceptable to the Bank or at the bank's discretion nominated by it at its cost.

#### (j) AMENDMENT TO REGULATION 35

Regulation 35 shall be substituted by the following :

"(35) On and from 1-1-1989, where an officer has put in a service of 24 years he shall be eligible to additional sick leave at the rate of one month for each of service in excess of 24 years subject to a maximum of three months of additional sick leave."

#### (k) AMENDMENT TO REGULATION 41

Sub Regulations 1(i), (ii), (iii) and (iv) of Regulation 41 shall be substituted by the following :

(41) On and from the date specified by the Board the following provisions shall apply whenever an officer is required to travel on duty :

(i) An officer in Junior Management Grade may travel by 1st class or AC Sleeper by train. He may, however, travel by air (economy class) if so permitted by the Competent Authority, having regard to the exigencies of business or public interest.

(ii) An officer in Middle Management Grade may travel by 1st class or AC Sleeper by train. He may, however, travel by air (economy class) if the dis-

tance to be travelled is more than 500 kms. He may, however, travel by air (economy class) even for a shorter distance if so permitted by the Competent Authority, having regard to the exigencies of business or public interest.

- (iii) An officer in Senior Management or Top Executive Grade may travel by train AC 1st Class or by air (economy class).
- (iv) An officer in Senior Management or Top Executive Grade may travel by car between places not connected by air or rail provided that the distance does not exceed 500 kms. However, when a major part of the distance between the two places can be covered by air or rail only the rest of the distance should normally be covered by car."

#### (l) AMENDMENT TO REGULATION 42

Sub Regulation (2)(i) of Regulation 42 shall be substituted by the following :

"42(2)(i) On and from 1-11-1987 an officer on transfer will be reimbursed his expenses for transporting his baggage by goods train upto the following limits :

Pay Range	Where he has family	Where he has no family
Rs. 2100/- p.m. to Rs. 3060/- p.m.	3000 kgs.	1000 kgs.
Rs 3061/- p.m. and above	Full Wagon	2000 kgs.

#### (m) AMENDMENT TO REGULATION 45

Sub Regulation (2) of Regulation 45 shall be substituted by the following :

"45(2) The Bank shall contribute to the Provident Fund in accordance with the rules governing the Provident Fund, from time to time, provided that the amount contributed by it shall not be more than 10% of 80% of pay on and from 1-11-87 to 31-12-1988, 10% of 90% of pay on and from 1-1-89 to 31-12-1989 and 10% of pay on and from 1-1-1990 of the officer."

#### (n) AMENDMENT TO REGULATION 46

Sub Regulation (2) of Regulation 46 shall be substituted by the following :

"46(2) The amount of Gratuity payable to an officer shall be one month's pay for every completed year of service, subject to maximum of 15 months' pay.

Provided that where an officer has completed more than 30 years of service, he shall be eligible by way of Gratuity for an additional amount at the rate of one half of a month's pay for each completed year of service beyond thirty years.

Note.—If the fraction of service beyond completed years of service is six months or more, gratuity will be paid pro-rata for the period.

KHUSHAL SINGH, Asst. General Manager  
(Personnel)

